एम० फिल० (संस्कृत)

टिप्पणी :

एम० फिल० (दर्शन-निष्णात, संस्कृत) पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष होगी। यह पाठ्यक्रम दो सत्रों में विभक्त होगा। प्रथम षाण्मासिकी में दो पत्र होंगे जिनकी लिखित परीक्षा सत्र के अंत में होगी। द्वितीय षाण्मासिकी में छात्रों को लघु-शोध-प्रबन्ध लिखना होगा।

प्रथम षाण्मासिकी

प्रथम पत्र : शोध-प्रविधि पाण्डुलिपि विज्ञान, वेद, व्याकरण तथा भाषाविज्ञान — पूर्णांक 100

30 अंक

(क) शोध-प्रविधि तथा पाण्डुलिपि-विज्ञान

1. शोध : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, लक्ष्य, विभिन्न पद्धतियाँ (ऐतिहासिक, दार्शनिक प्रवृत्ति), भेद (प्रयोगात्मकादि)।

2. विषय-चयन तथा शोध-प्रविधि : विषय-चयन, विषय-चयन की विविध प्रणालियाँ, रिपोर्ट (सूचना), शोध-पत्र, थीसिस का परिचय, सम्भावित शोध-विषय, शीर्षक, रूपरेखा, पुस्तकालय-उपयोग विधि, सामग्री-संकलन, सामग्री-संकलन के मुख्य और गौण स्रोत, सामग्री संकलन की विभिन्न पद्धतियाँ, नोट लिखने की विविध प्रणालियाँ, संकलित सामग्री का विश्लेषण, व्याख्या, अध्यायों में विभाजन, पाद-टिप्पणियों तथा उद्धरणों का महत्त्व, विषय-प्रतिपादन तथा निष्कर्ष।

3. पाण्डुलिपि विज्ञान : 1. पाण्डुलिपि विज्ञान और उसकी सीमाएँ
2. पाण्डुलिपियों के प्रकार

35 अंक

(ख) वेद तथा ब्राह्मण :

1. वैदिक संहितायें : सामान्य-परिचय (वर्ण्य-विषय, रचना क्रम, काल)
2. वैदिक देवता, समाज और संस्कृति।
3. ऋग्वेद की भाषा और अन्य वेदों की भाषा के साथ उसकी तुलना।
4. शतपथ ब्राह्मण (यज्ञ)

35 अंक

(ग) व्याकरण तथा भाषाविज्ञान

1. पाणिनि-पूर्व व्याकरणशास्त्र की प्रवृत्ति।
2. पाणिनीय व्याकरण-परम्परा तथा प्रतिपाद्य।

पृ० 2/---

3. पाणिनीयेतर संस्कृत-व्याकरण-परम्परा का संक्षिप्त परिचय
§शाकटायन, कातन्त्र, चान्द्र, जैनेन्द्र, हेमचन्द्र, सारस्वत, बोपदेव, जौमर, सौपद्म§

4. व्याकरणशास्त्र का दार्शनिक पक्ष तथा उसके सिद्धान्त§पतंजलि, भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, नागेश, जगदीशतर्कालंकार§

5. भाषाविज्ञान : उद्भव और विकास।

6. भाषा की उत्पत्ति के विभिन्न सिद्धान्त और भाषाओं का वर्गीकरण।

7. वाक्ध्वनों का वर्गीकरण एवं उनके आधार।

8. संस्कृत भाषा का वर्ण-समाम्नाय और स्वानिमिकी।

परीक्षक के लिए निर्देश :

1. प्रत्येक भाग से एक-एक प्रश्न करना आवश्यक है।
2. प्रत्येक भाग से तीन-तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. कुल तीन प्रश्नों का ही उत्तर देना होगा।

अनुशंसित सहायक-ग्रन्थ

§क§ 1. कृष्णलाल :
§1§ संस्कृत शोध-प्रक्रिया एवं वैदिक अध्ययन।
§2§ संस्कृत शोध।
2. शर्मा, विनयमोहन : शोध-प्रविधि।
3. नगेन्द्र : §1§ अनुसंधान। §2§ शोध और सिद्धान्त।
4. उपाध्याय, देवराज : साहित्य एवं शोध : कुछ समस्याएं।
5. शर्मा, सत्नाम सिंह : शोध-प्रक्रिया और विवरणिका।
6. शैलकुमारी : संस्कृत शोध-तंत्र और सिद्धान्त।
7. सिंहल, बैजनाथ : शोध-स्वरूप एवं मानक कार्यविधि।
8. सिन्हा, सावित्री और स्नातक विजयेन्द्र §संपादक§ : अनुसंधान की प्रक्रिया।
9. पाण्डेय, डा० उमा : शोध-प्रक्रिया।
10. सिंह, डा० तिलक : नवीन शोध-विज्ञान।
11. गणेशन, एस०एन० : अनुसंधान-प्रविधि, सिद्धान्त और प्रक्रिया।
12. मूर्ति, श्रीमन् नारायण : रिसर्च मैथोडालॉजी।
13. सिंह, उदयभानु : अनुसंधान की प्रक्रिया।

पृ० 3/----

14· मिश्र, डॉ0कैलाशनाथ : हिन्दी अनुसंधान : वैज्ञानिक पद्धतियाँ।
15· सत्येन्द्र : पाण्डुलिपि विज्ञान।
16· शर्मा, डॉ0रामगोपाल (संपादक) : पाण्डुलिपि संपादन कला।

(ख) 1· सायण : ऋग्वेद-भाष्य-भूमिका।
2· स्वामी दयानन्द : ऋग्वेद-भाष्य-भूमिका।
3· पण्डित भगवद्दत्त : वैदिक वाङ्मय का इतिहास।
4· पण्डित भगवद्दत्त : वेद विषयक व्याख्यान।
5· घाटे : वैदिक लेक्चर्ज।
6· दाण्डेकर, आर0एन0: वैदिक बिब्लियोग्राफी (भाग 1-5)।
7· मजूमदार, आर0सी0 (सम्पादक) : वैदिक एज।
8· उपाध्याय, बलदेव : वैदिक साहित्य और संस्कृति।
9· डॉ0 सूर्यकान्त : वैदिक देव शास्त्र।
10· डॉ0 राम गोपाल : वैदिक-व्याकरण (भाग 1-2)
11· वर्मा, डॉ0बी0के0 : ऋग्वेद-प्रातिशाख्य।
12· शास्त्री डॉ0 कपिल देव : वैदिक ऋषि एक परिशीलन।
13· डॉ0 कृष्ण लाल : गृह्यमन्त्र और उनका विनियोग।
14· शर्मा डॉ0 राममूर्ति: वैदिक साहित्य का इतिहास।
15· मिश्र डॉ0 वीरेन्द्र कुमार : कृष्ण यजुर्वेद : एक अध्ययन। (कपिष्ठल कठ-संहिता के विशेष सन्दर्भ में)
16· विण्टरनित्स डब्ल्यू0एम0: हिस्टरी ऑफ् इण्डियन लिटरेचर (भाग-1)
17· ओल्डेन बर्ग : रिलीजन ऑफ् दी वेदाज।
18· मेक्डॉनल एण्ड कीथ : वैदिक इण्डेक्स।
19· कीथ ए0बी0 : वैदिक रिलीजन एण्ड फिलॉसफी (अनुवादक-डॉ0सूर्यकान्त
20· मेक्डॉनल, ए0 : वैदिक माइथोलॉजी।
21· मेक्डॉनल, ए0 : वैदिक ग्रामर।

(ग) 1· शास्त्री, डॉ0 गौरीनाथ : फिलॉसफी ऑफ् वर्ड एण्ड मीनिंग।
2· अग्रवाल, डॉ0वासुदेव शरण : पाणिनिकालीन भारतवर्ष।
3· मीमांसक युधिष्ठिर : (1) संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास। (2) संस्कृत व्याकरण शास्त्र का उद्भव और विक
4· बेल्वेल्कर, एस0के0 : सिस्टम्स ऑफ् संस्कृत ग्रामर।
5· सिंह, डॉ0 बलदेव : पद-पदार्थ-समीक्षा।
6· भट्टाचार्य, डॉ0रमाशङ्कर : पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन।

7. त्रिपाठी, राम सुरेश : संस्कृत-व्याकरण-दर्शन।
8. जोशी, डॉ० एस०डी० : द स्फोटसिद्धि ऑफ कोण्डभट्ट।
9. वर्मा, डॉ० सत्यकाम : संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास।
10. चक्रवर्ती, पी०सी० : फिलासफी ऑफ संस्कृत ग्रामर।
11. अग्निहोत्री, डॉ०पी०डी० : पतंजलि कालीन भारतवर्ष।
12. पाण्डेय, डॉ० रामाज्ञा : व्याकरण दर्शन की भूमिका।
13. द्विवेदी, डॉ० डी० एस० : भाषा और भाषिकी।
14. द्विवेदी, डॉ० कपिल देव : भाषाविज्ञान और भाषा शास्त्र।
15. शर्मा, डॉ० डी०डी० (अनुवादक) : सामान्य भाषिकी।
16. शर्मा, देवेन्द्र नाथ : भाषाविज्ञान की भूमिका।
17. व्यास, भोलाशंकर : संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन।
18. त्रिपाठी, रामदेव : भारतीय भाषा विज्ञान की परम्परा और आचार्य पाणिनि।
19. बरो, टी० : संस्कृत भाषा।
20. एलेन डब्ल्यू०एस० : प्राचीन भारत में ध्वनि विज्ञान।

II paper.

द्वितीय पत्र : दर्शन तथा साहित्य एवं साहित्य शास्त्र। पूर्णाङ्क- 100

(क) भारतीय दर्शन : 50 अंक

1. न्याय तथा वैशेषिक दर्शन : न्याय (अनुमान प्रमाण) वैशेषिक दर्शन (पदार्थ-मीमांसा)

2. सांख्य दर्शन : प्रमाण-मीमांसा, सत्कार्यवाद, प्रकृति-पुरुष सिद्धान्त एवं कैवल्य।

3. मीमांसा दर्शन : पूर्व मीमांसा-धर्म-लक्षण, प्रकरणसिद्धान्त, कर्मसिद्धान्त
उत्तर मीमांसा-प्रस्थानत्रय, अध्यास का स्वरूप, आत्मा का स्वरूप, जीवन्मुक्ति।

4. योगदर्शन : समाधि का स्वरूप, चित्त परिकर्म।

5. नास्तिक दर्शन : देहात्मवाद, निर्वाण, सप्तभङ्गीनय।

पृ० 5/------

(ख) साहित्य एवं साहित्यशास्त्र का समीक्षात्मक अध्ययन। 50 अंक

1. काव्य : लक्ष्य ग्रन्थों का समालोचनात्मक अध्ययन : रामायण, महाभारत, बुद्धचरित, रघुवंश, किरातार्जुनीय Dr. Vijaya Jha

2. प्रमुख नाटककारों का अध्ययन : भास, कालिदास, भवभूति, विशाखदत्त Dr. Preeti

3. लक्षण ग्रन्थों के प्रतिपाद्य का समीक्षात्मक अध्ययन : काव्य-लक्षण, शब्द-शक्ति, रस-सिद्धान्त, ध्वनि-सिद्धान्त अलंकार, रीति एवं औचित्य

(Syllabus) M.Phil Dr. Raghunandan

अनुशंसित सहायक ग्रन्थ :

1. गौतम : न्याय दर्शन (वात्स्यायन भाष्य सहित)।
2. विश्वनाथ पंचानन : न्याय सिद्धान्त मुक्तावली।
3. कणाद : वैशेषिकसूत्राणि।
4. शिवादित्य : सप्तपदार्थी।
5. कपिल मुनि : सांख्यदर्शन।
6. डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र (व्याख्याकार) : सांख्य-तत्त्व-कौमुदी
7. महर्षि जैमिनि : जैमिनि सूत्र (प्रथम अध्याय का प्रथम पाद)
8. लौगाक्षि भास्कर : अर्थसंग्रह
9. नारायण : मानमेयोदय (सम्पादक तथा अनुवादक सी० राजा) मद्रास 1933
10. पतंजलि : पातंजलयोगसूत्र (व्यास-भाष्य-सहित) (सम्पादक एवम् अनुवादक--रामप्रसाद) नई दिल्ली 1978 पुनर्मुद्रित
11. राधाकृष्णन्, एस० : इण्डियन फिलॉसफी (वाल्यूम 1-2)।
12. दासगुप्ता, एस०एन० : हिस्ट्री ऑफ इण्डियन फिलॉसफी
13. कविराज, गोपीनाथ : ग्लिम्पसेज फ्रॉम दी हिस्ट्री एण्ड बिब्लियोग्राफी ऑफ न्याय-वैशेषिक लिट्रेचर।
14. सिन्हा, जे०एन० : इण्डियन फिलॉसफी।

पृ० 6/------

15. मिश्र, उमेश : भारतीय दर्शन।
16. उपाध्याय, बलदेव : भारतीय दर्शन।
17. उपाध्याय, गङ्गाप्रसाद : अद्वैतवाद।
18. मिश्र, डॉ० आद्या प्रसाद : सांख्य दर्शन की ऐतिहासिक एवम् सैद्धान्तिक परम्परा।
19. शर्मा, डॉ० राम मूर्ति : अद्वैत वेदान्त।
20. पाण्डे, रामचन्द्र : भारतीय दर्शन की भूमिका।
21. शास्त्री हरिदत्त : भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास।

(ख) अनुशंसित सहायक-ग्रन्थ :

1. भरत : नाट्यशास्त्र (षष्ठाध्याय)।
2. आनन्दवर्धन : ध्वन्यालोक।
3. रुय्यक : अलंकार सर्वस्व।
4. मम्मट : काव्य प्रकाश।
5. विश्वनाथ : साहित्य दर्पण।
6. पण्डितराज जगन्नाथ : रस गंगाधर।
7. काणे, पी०वी० : हिस्ट्री ऑफ् संस्कृत पोयटिक्स।
8. डॉ० एस०के० : आसपेक्ट्स ऑफ संस्कृत लिटरेचर।
9. डे०, एस०के० : संस्कृत पोयटिक्स।
10. चैतन्य, कृष्ण : हिस्ट्री ऑफ् संस्कृत लिटरेचर।
11. डे०एस०के०एण्ड दास गुप्त, एस०एन० : हिस्ट्री ऑफ् क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर।
12. राजा, सी०कुन्हन : सर्वे ऑफ् संस्कृत लिटरेचर।
13. एम० कृष्णमाचारियर : हिस्ट्री ऑफ् क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर।
14. उपाध्याय, बलदेव : संस्कृत-साहित्य का इतिहास।
15. गैरोला, वाचस्पति : संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास।
16. उपाध्याय, रामजी : संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास (भाग 1-2)।
17. देश पाण्डे, जी०टी० : भारतीय-साहित्यशास्त्र।
18. ठाकुर, प्रेम लाल : भवभूतिविरचित रूपक : एक सांस्कृतिक अध्ययन।
19. शास्त्री, डॉ० हरिदत्त : संस्कृत काव्यकार।
20. डॉ० सूर्यकान्त : संस्कृत-वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास।

पृ० 7/------

21. कृष्ण कुमार : अलंकार शास्त्र का इतिहास।
22. पाण्डेय, डॉ0 सत्यनारायण : संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास।
23. व्यास, भोलाशंकर : संस्कृत-कविदर्शन।
24. राव, केशव : संस्कृत महाकाव्य की परम्परा।
25. झारी, कृष्ण देव : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त।
26. पाण्डेय, शम्भुनाथ : काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास।
27. शर्मा, डॉ0 ब्रजवल्लभ : भवभूति के नाटक।
28. डॉ0 विद्या : रामकाव्यों में नारी।
29. शर्मा, डॉ0 राजिन्द्र : काव्यालंकारसूत्रवृत्ति : एक शास्त्रीय अध्ययन।

~~कृष्ण देव झारी~~ ~~भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त~~
सत्यदेव चौधरी अलंकार, रीति और वक्रोक्ति
डॉ0 राजवंश सहाय हीरा भारतीय आलोचनाशास्त्र

द्वितीय षाण्मासिकी IInd Semester

पूर्णाङ्क : 100

लघुशोध प्रबन्ध

§1§ लघुशोध प्रबन्ध लेखन Dissertation 75 अंक

§2§ मौखिकी Viva-voce 25 अंक

---o---